बिहार विधान-सभा वादवृत

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

बुधवार, तिथि ८ अगस्त, १९७३ ।

विषय-सूची

		पृष्ठ संख्या
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :		
अल्पसूचित प्रश्नोत्तर संख्या :	...	१-११
११८, १२१, १८६, १८८ एवं १९० ।		
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :	...	११-५६
८८७, १६६१, १६६४, १६६५, १६६६, १६६७, १७०१, १७०२, १७०३, १७०७, १७१०, १७१५, १७१७, १७२२, १७२६, १७२९, १७३२, १७३३, १७४४, १७४६, १७४८, १७५६, १७५७, १७५८, १७६४, १७६६, १७६७, १७६८, १७६९, १८३०, १८३१, १८३२, १८३३, १८३४, १८३५, १८३६ एवं १८४० ।		
परिशिष्ट (प्रश्नोत्तर के लिखित उत्तर)	...	५७-१११
परिशिष्ट-२	...	११२-११३
दैनिक निबंध	...	११५-११६

पुल की मरम्मत

१६९४ । **श्री रामवचन पासवान**—क्या मंत्री, लो० नि० वि०, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत सासाराम, दरिगाँव, मनहीपुर रोड में ग्राम शिवपुर सिकरिया पंचायत में लोक निर्माण विभागीय पुल ग्राम शिवपुर में टूट गया है;

(२) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त पुल को शीघ्र बनाने का विचार रखती है, यदि हाँ तो कबतक, यदि नहीं तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, लो० नि० वि०—(१) यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत सासाराम दरिगाँव-मनहीपुर पथ के तीसरे मील में शिवपुर ग्राम के पास २० फीट स्थान का पुलिया का कार्य स्लैब क्षतिग्रस्त हो गया है ।

(२) नया डेक स्लैब बनाकर पुल मरम्मती का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है तथा सितम्बर माह में कार्य समाप्त हो जाने की संभावना है ।

सड़क का पक्कीकरण

१६९६ । **श्री ठाकुर कामाख्या प्रसाद सिंह**—क्या मंत्री, लो० नि० वि० यह बताने की कृपा करेंगे कि—

क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के अमरपुर कोतवाली एवं मिरजान हाट सड़क को पक्कीकरण का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है, यदि हाँ तो इसका कारण क्या है ?

प्रभारी मंत्री, लो० नि० वि०—उत्तर स्वीकारात्मक है ।

आंशिक रूप में कार्य सम्पादन करने के बाद ठेकेदार ने कार्य छोड़ दिया जिसके कारण ठेकेदार की प्रतिभूति राशि जप्त कर ली गई है और दूसरे ठेकेदार को ठीक किया गया । दूसरे ठेकेदार ने भी कार्य अधूरा ही छोड़ दिया तब इनका भी ठेका दिनांक १८-४-६९ को रद्द कर दिया गया । १ एवं १२ में भू-अर्जन न होने के कारण कार्य बंद है ।

कार्य की लागत में वृद्धि हो जाने के कारण इस पथ के पुनरीक्षित प्राक्कलन पर सरकार की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करने संबंधी कार्रवाई की जा रही है साथ ही योजना विभाग को कार्यों की प्राथमिकता तय करने तथा निधि उपलब्ध